यूएस ओपन : जोकोविच पहले दौर में बाहर, नावेने ने पांच सेट के रोमांचक मुकाबले में दी मात

न्यूयार्क

सर्बिया के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच को यूएस ओपन 2026 के पहले ही दौर में बड़ा उलटफेर झेलना पड़ा। 48वीं रैंकिंग वाले अर्जेंटीना के मारियानो नावेने ने जोकोविच को 7-6(7/5), 5-7, 4-6, 6-2, 6-1 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया।

इस हार के साथ जोकोविच का रिकार्ड 25वें ग्रैंड स्लैम खिताब का इंतजार और लंबा हो गया। वह 2023 के बाद से इस ऐतिहासिक उपलब्धि को हासिल करने की कोशिश कर रहे थे।

यह 2006 के आस्ट्रेलियन ओपन के बाद पहला मौका है, जब जोकोविच किसी ग्रैंड स्लैम के पहले दौर में हारकर बाहर हुए हैं। उस समय उन्हें पाल गोल्डस्टीन ने हराया था। इसके बाद जोकोविच ने ग्रैंड स्लैम के पहले दौर में लगातार 78 मुकाबले जीते थे।

नावेने की करियर की सबसे बड़ी जीत - 25 वर्षीय नावेने के लिए यह जीत बेहद खास रही। यह ग्रैंड स्लैम में उनकी पहली जीत है किसी शीर्ष-10 खिलाड़ी के खिलाफ। उन्होंने चार घंटे 36 मिनट तक चले मुकाबले में जोकोविच को शारीरिक रूप से परेशान किया और निर्णायक सेट में पूरी तरह दबदबा बनाया।

जोकोविच मैच के दौरान असहज नजर आए। उन्हें कोर्ट पर उल्टी करते देखा गया और बाद में वह ऐंठन से भी जूझते रहे। चौथे सेट में उन्होंने नावेने की सर्विस तोड़कर 2-1 की बढ़त बनाई, लेकिन अर्जेंटीना के खिलाड़ी ने लगातार पांच गेम जीतकर सेट अपने नाम किया और मुकाबले को निर्णायक सेट में पहुंचा दिया। अंतिम सेट से पहले जोकोविच ने पीठ के उपचार के लिए मेडिकल टाइमआउट भी लिया, लेकिन इससे उनकी परेशानी दूर नहीं हुई। अंततः नावेने ने निर्णायक सेट 6-1 से जीतकर बड़ा उलटफेर कर दिया। हार के बाद जोकोविच ने कहा, मैंने इसका आनंद नहीं लिया। कोर्ट पर मेरे लिए यह कितना खराब अहसास था, यह साफ दिखाई दे रहा था। उन्होंने कहा कि उल्टी और शरीर में ऐंठन की समस्या उन्हें इस साल लगभग हर मैच में परेशान कर रही है। जोकोविच ने कहा कि अंत में उनकी पीठ और कंधे ने भी जवाब दे दिया और वह मुकाबला खत्म नहीं कर सके।

वहीं, जोकोविच को अपना आदर्श मानने वाले नावेने ने कहा, इस कोर्ट पर महानतम खिलाड़ी के खिलाफ खेलना मेरे लिए बहुत मुश्किल था। निश्चित तौर पर यह कोर्ट पर मेरा अब तक का सबसे शानदार अनुभव है। यह सबसे बड़ा मंच है। पांच सेट तक खेलकर जीतना शानदार है। मैं बहुत खुश हूं।

न्यूज ब्रीफ

मंधाना महिला क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली दूसरी खिलाड़ी बनी, सूजी बेट्स तीसरे नंबर पर खिसकी

दुबई। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की अनुभवी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने एशिया कप के पहले ही मैच में एक बड़ा रिकार्ड अपने नाम किया है। मंधाना पहले मैच में थाईलैंड के खिलाफ 19 रन ही बना पायीं पर इसी दौरान वह अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ियों की सूची में दूसरे स्थान पर पहुंच गयीं। मंधाना ने इसी के साथ ही न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स को पीछे छोड़ दिया। उन्हें यहां तक पहुंचने के लिए केवल 4 रनों की जरुरत थी। अब उनके नाम अंतरराष्ट्रीय करियर में कुल 10,756 रन दर्ज हो गए हैं। इस रिकार्ड के साथ ही मंधाना अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली दूसरी खिलाड़ी बन गई हैं। इससे पहले न्यूजीलैंड की दिग्गज खिलाड़ी सूजी बेट्स 10,740 रनों के साथ दूसरे स्थान पर थीं। दिलचस्प बात यह है कि इस सूची के शीर्ष दो स्थान अब भारतीय खिलाड़ियों के नाम हैं। सबसे ज्यादा रनों का रिकार्ड भारत की पूर्व कप्तान मिताली राज के नाम है, जिन्होंने अपने करियर में 10,868 रन बनाए थे। स्मृति मंधाना को मिताली का रिकार्ड तोड़ने और नंबर एक पर पहुंचने के लिए अब केवल 113 रनों की और जरुरत है। अंतर्राष्ट्रीय महिला क्रिकेट में सबसे अधिक रन बनाने वाली शीर्ष पाँच बल्लेबाज इस प्रकार हैं: 10,868 रन के साथ मिताली राज (भारत), 10,756 रन के साथ स्मृति मंधाना (भारत), 10,740 रन के साथ सूजी बेट्स (न्यूजीलैंड), 10,273 रन के साथ शार्लेट एडवर्ड्स (इंग्लैंड) और 10,007 रन के साथ स्टेफनी टेलर (वेस्टइंडीज)।

आईपीएल से इम्पैक्ट प्लेयर नियम हटाने पर विचार कर रहा बीसीसीआई, सभी फ्रैंचाइजी टीमों से मांगी सलाह

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में इम्पैक्ट प्लेयर नियम लागू किये जाने के बाद से ही विवादों में रहा है। इस नियम का कड़ा विरोध भी होता रहा है, कई दिग्गज क्रिकेटरों ने समय-समय पर इस नियम को हटाने की मांग की है। वहीं अब भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने भी इस नियम पर पुनर्विचार करने का फैसला करते हुए सभी 10 फ्रेंचाइजी से इस संबंध में अपनी राय मांगी है। प्राप्त जानकारी के अनुसा सभी टीमों को इस बारे में अपनी रिपोर्ट सौंपनी होगी। इस नियम को पहली बार साल 2023 में लागू किया गया था और तभी से ये आलोचकों के निशाने रहा है। बीसीसीआई का यह नया कदम बताता है कि बोर्ड अब इस नियम को लेकर एक बड़ा और निर्णायक फैसला ले सकता है। इसको हटाने की मांग करने वालों का तर्क है कि इम्पैक्ट प्लेयर नियम से खेल का संतुलन बिगड़ गया है। इससे आलराउंडरों के अवसर कम होते हैं। इसे अक्सर गेंदबाज-विरोधी नियम करार दिया जाता है। पिछले आईपीएल सीजन (2024) में इस नियम की वजह से 200 से अधिक के स्कोर पहले से कहीं ज्यादा बार देखने को मिले, जिसने बल्लेबाजों का दबदबा और बढ़ा दिया।

डब्लयूटीसी अंत तालिका में सबसे निचले स्थान पर खिसकी पाकिस्तान टीम

लार्ड्स। इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में भी करारी हार के बाद पाकिस्तान क्रिकेट टीम अब विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्लयूटीसी) अंक तालिका में सबसे निचले पायदान पर पहुंच गयी है। इंग्लैंड दौरे पर मिली लगातार दो हार के बाद अब पाक टीम के केवल 16 अंक ही बचे रह गये हैं। उसे पिछल आठ मैचों में से छह में हार मिली है। इससे उसका जीत प्रतिशत (पीसीटी) अब केवल 16.67 फीसदी रह गया है। यह आंकड़ा उसके खराब फार्म और डब्लूयूसी में लगातार गिरावट को दिखा रहा है। गौरतलब है कि एक ओर जहां पाक टीम लगातार हार रही है। वहीं दूसरी ओर डल्यूटीसी अंक तालिका में आस्ट्रेलियाई टीम शीर्ष पर बनी हुई है। आस्ट्रेलिया ने 10 टेस्ट मैचों में से 8 में जीत हासिल की है। इससे उसके 96 अंक और 80 पीसीटी है। इस प्रकार वह अन्य सभी टीमों से काफी आगे है। आस्ट्रेलिया के बाद साउथ अफ्रीका, न्यूजीलैंड और बांग्लादेश की टीमें तीसरे और चौथे स्थान पर हैं। वहीं भारतीय टीम अभी पांचवें स्थान पर बनी हुई है।

डीपीएल 2026 : साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज बनी चैंपियन, फाइनल में सेंट्रल किंग्स को सात विकेट से हराया

नई दिल्ली

साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज ने शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए सेंट्रल दिल्ली किंग्स को सात विकेट से हराकर दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2026 का खिताब अपने नाम कर लिया। अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए रोमांचक फाइनल में साउथ दिल्ली ने 183 रन के लक्ष्य को महज 18.2 ओवर में तीन विकेट खोकर 186 रन बनाकर हासिल कर लिया।

लक्ष्य का पीछा करते हुए अनमोल शर्मा ने 42 गेंदों पर छह चौकों और तीन छक्कों की मदद से 64 रन बनाकर जीत की मजबूत नींव रखी। उनका साथ अंकित डबास ने शानदार अंदाज में दिया। डबास ने सिर्फ 33 गेंदों पर पांच चौकों और चार छक्कों की मदद से नाबाद 61 रन की तूफानी पारी खेली।

कप्तान तेजस्वी दहिया ने भी अहम योगदान दिया। उन्होंने 18 गेंदों पर तीन चौकों और तीन छक्कों की मदद से 33 रन बनाए। इसके बाद एकांश डोभाल ने तीन गेंदों पर नाबाद सात रन बनाकर टीम की जीत पर मुहर लगा दी, जिसमें एक छक्का शामिल था।

इससे पहले सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने टास के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 182 रन पर आठ विकेट बनाए। समर्थ सिंह ने 27 गेंदों पर छह चौकों और एक छक्के की मदद से 51 रन की तेजतर्रार पारी खेली। कप्तान जोंटी सिद्धू ने 19 गेंदों पर तीन छक्कों की मदद से 36 रन बनाए।

युगल सैनी ने 29 गेंदों पर 32 रन का योगदान दिया, जबकि मनी ग्रेवाल ने आखिरी ओवरों में महज सात गेंदों पर 18 रन बनाकर टीम के स्कोर को गति दी।

साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज की ओर से दिवांश रावत सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 17 रन देकर तीन विकेट लिए। विजन पांचाल ने दो विकेट हासिल किए, जबकि अंकित डबास, प्रांशु विजयरण और अंशुमान हुड्डा को एक-एक सफलता मिली।

हालांकि, फाइनल में साउथ दिल्ली के बल्लेबाजों का दबदबा रहा। टीम ने लक्ष्य का पीछा करते हुए लगातार तेज रन गति बनाए रखी और 10 गेंद शेष रहते सात विकेट से मुकाबला जीतकर डीपीएल 2026 की ट्राफी पर कब्जा कर लिया।

संन्यास के बाद भी धोनी की कमाई पर नहीं पड़ा है असर

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिह धोनी खेल से संन्यास के बाद भी मोटी कमाई कर रहे हैं। संन्यास के बाद धोनी की कमाई मुख्य रुप से विज्ञापन से हो रही है। वह कई बड़े ब्रांड से वह जुड़े हुए हैं। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अलावा भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) से भी उन्हें पेंशन मिलती है। धोनी के कई कारोबार भी है। वह खेती भी करते हैं। धोनी ने अपने शानदार करियर में भारत के लिए कुल 90 टेस्ट मैच खेले हैं। बोर्ड की मौजूदा पेंशन व्यवस्था के तहत, वे पूर्व पुरुष क्रिकेटर जिन्होंने 25 या उससे अधिक टेस्ट मैच खेले हैं, उन्हें हर महीने 70,000 रुपये की पेंशन दी जाती है। इस हिसाब से, धोनी भी इस श्रेणी में आते हैं और उन्हें हर महीने बोर्ड से 70,000 रुपये मिलते हैं। हालांकि, उनकी कुल कमाई के विशाल आंकड़े के मुकाबले यह रकम काफी छोटी है। धोनी आईपीएल में चेन्नई सुपरकिंग्स से खेल रहे हैं। सीएसके ने 2026 सीजन के लिए ने उन्हें 4 करोड़ रुपये में रिटेन किया है। इसका मतलब है कि केवल आईपीएल अनुबंध से ही उन्हें एक सीजन के लिए 4 करोड़ रुपये मिलते हैं। यदि इस रकम को 12 महीनों के हिसाब से बांटा जाए, तो यह औसतन करीब 33.3 लाख रुपये प्रति महीने बैठती है। हालांकि, यह केवल एक औसत है क्योंकि आईपीएल की रकम वास्तव में पूरे सत्र में एक बार ही मिलती है। इसके अलावा उन्हें मैच के हिसाब से फीस भी मिलती है। धोनी की कमाई का सबसे बड़ा हिस्सा ब्रांड एंडोर्समेंट जो बड़ी कंपनियों से है। 2026 की मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, उनकी सालाना आय 75 करोड़ रुपये से अधिक बताई गई है, जिसमें आईपीएल, विज्ञापन और कारोबार से होने वाली कमाई सम्मिलित है। कुछ रिपोर्ट्स तो यह भी अनुमान लगाती हैं कि 2025-26 के लिए उनकी अनुमानित कमाई लगभग 95 से 105 करोड़ रुपये तक पहुंच सकती है।

यूएस ओपन 2026: पेगुला ने नर्वस शुरुआत से उबरकर दर्ज की आसान जीत, रुसे को सीधे सेटों में हराया

न्यूयार्क

अमेरिका की जेसिका पेगुला ने शुरुआती दबाव और घबराहट से उबरते हुए यूएस ओपन 2026 के महिला एकल के पहले दौर में जीत दर्ज की। 32 वर्षीय पेगुला ने रूस की एलिना रुसे को 6-3, 6-2 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई। उन्होंने यह मुकाबला 83 मिनट में अपने नाम किया।

पेगुला को मैच की शुरुआत में ब्रेक हासिल करने के लिए लगातार संघर्ष करना पड़ा। उन्होंने रुसे की सर्विस तोड़ने के पहले नौ मौके गंवाए, लेकिन इसके बाद अमेरिकी खिलाड़ी ने लय हासिल की और मुकाबले पर पूरी तरह नियंत्रण बना लिया। पेगुला ने अपनी पहली सर्विस पर शानदार प्रदर्शन करते हुए 92 प्रतिशत अंक जीते। वह हाल ही में सिनसिनाटी ओपन में कोको गाफ के खिलाफ उपविजेता रही थीं। जीत के बाद पेगुला ने कहा, मैं बहुत नर्वस थी। मैं अपनी स्थिति बताने के लिए जीआईएफ भेज रही थी, जिसमें लोग घबराते हुए नजर आ रहे थे। ग्रैंड स्लैम के पहले दौर में हमेशा काफी घबराहट होती है। दूसरे दौर में पेगुला का सामना वीनस विलियम्स और हमवतन सोफिया केनिन के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता से होगा।

पाओलिनी और राखिमोवा भी आगे बढ़ीं - महिला एकल में 19वीं वरीयता प्राप्त इटली की जैस्मिन पाओलिनी ने भी दूसरे दौर में प्रवेश किया। उन्होंने वेरोनिका एर्यावेक को 6-3, 3-6, 6-4 से हराया। वहीं, कामिला राखिमोवा ने 27वीं वरीयता प्राप्त बारबोरा क्रेजिकोवा को 7-6(4), 6-2 से शिकस्त दी।

कोस्त्युक की शानदार जीत - यूक्रेन की मार्ता कोस्त्युक ने भी शानदार शुरुआत करते हुए आस्ट्रेलिया की क्वालीफायर स्टार्म हंटर को 6-4, 6-1 से हराया। फ्रेंच ओपन और विंबलडन में सेमीफाइनल तक पहुंच चुकीं कोस्त्युक को इस बार यूएस ओपन में खिताब की दावेदारों में माना जा रहा है। जीत के बाद कोस्त्युक ने कहा, इस शानदार जगह पर वापस आकर मैं बहुत खुश हूं। क्वालीफायर के खिलाफ खेलना आसान नहीं होता, क्योंकि वे पहले ही पूरा टूर्नामेंट खेल चुकी होती हैं। मैं अपने प्रदर्शन से बहुत खुश हूं। मैं खुद को जमीन से जोड़े रखने की कोशिश कर रही हूं।

दीप्ति ने थाईलैंड के खिलाफ बिना कोई रन दिये 3 विकेट लेकर बनाया रिकार्ड

दुबई। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्पिनर दीप्ति शर्मा ने एशिया कप के पहले ही मैच में थाईलैंड के खिलाफ मिली 94 रनों की जीत के दौरान ही एक बड़ा रिकार्ड अपने नाम किया है। दीप्ति ने इस मैच में केवल 1.1 ओवर में ही बिना कोई रन दिये 3 विकट ले लिए। थाईलैंड के खिलाफ अपनी कसी हुई गेंदबाजी से दीप्ति टी20 अंतरराष्ट्रीय में भारत की पहली ऐसी गेंदबाज बन गयी हैं। जिन्होंने एक या उससे अधिक विकेट लेते हुए कोई रन नहीं दिया हो। उनकी इस गेंदबाजी से विरोध बल्लेबाजों पर दबाव आया जिससे अन्य गेंदाबाजों को विकेट मिलने में आसानी हुई। दीप्ति के अलावा नंदिनी शर्मा ने 4 ओवर में 18 रन देकर 3 विकेट जबकि श्री चारणी ने 2 और क्रांति गौड़ ने 1 विकेट लिया। 160 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी थाईलैंड की टीम भारतीय गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पाई और 16.1 ओवर में महज 65 रनों पर सिमट गई। थाईलैंड की तरफ से नन्नापत कोंचारोएनकाई ही एकमात्र ऐसी बल्लेबाज रहीं, जो दो अंकों तक पहुंची और सबसे अधिक 41 रन बनाने में सफल रहीं पर उन्हें दूसरे छोर से कोई खास समर्थन नहीं मिला।

एकदिवसीय में जगह नहीं बना पाने के लिए अपने को जिम्मेदार मानते हैं सूर्यकुमार

मुम्बई

भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सूर्यकुमार यादव अपनी आक्रामक बल्लेबाजी और अच्छी तकनीक के बाद भी एकदिवसीय टीम में अपनी जगह पक्की नहीं कर पाये और टी20 तक ही सीमित होकर रह गये। सूर्यकुमार ने अब इसका कारण बताया है। उनका कहना है कि इसके लिए वह स्वयं को ही जिम्मेदार मानते है। इस बल्लेबाज ने कहा है कि एकदिवसीय के लिए जितनी मेहनत करनी चाहिये थी। वह नहीं कर पाये। सूर्यकुमार ने अपने करियर में 37 एकदिवसीय मैचों में खेलते हुए केवल 773 रन बनाए हैं।

उन्होंने अंतिम बार एकदिवसीय मुकाबला 2023 विश्व कप का फाइनल था, जहां सातवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए वह केवल 18 रन ही बना पाये। उसके बाद वह टीम से बाहर हुए तो वापसी नहीं कर पाये। वहीं अब वह टी20 विश्वकप से भी बाहर हो गये हैं। 30 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कदम रखने वाले सूर्यकुमार का मानना है कि अगर उन्हें 2016 के आसपास टीम इंडिया में मौका मिल जाता, तो शायद वे टेस्ट और एकदिवसीय क्रिकेट में एक अलग मुकाम हासिल कर पाते।

सूर्यकुमार ने अपना एकमात्र टेस्ट मैच, जो 2023 में आस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था। इसमें वह केवल 8 रन ही बना पाए थे। उस पारी के बाद वह टेस्ट टीम में जगह नहीं बना पायी। अपनी एकदिवसीय विफलताओं को लेकर उन्होंने कहा, यह टी20 की तरह ही सीमित ओवरों है पर मैंने इसमें

उतनी मेहनत नहीं की, जितनी मुझे करनी चाहिए थी। मैं व्यक्तिगत रूप से यह स्वीकार करता हूँ कि मैं इस फार्मेट का फार्मुला नहीं खोज पाया। उन्होंने आगे कहा, मैं जानता था कि मुझे नंबर 5 या 6 पर ही बल्लेबाजी मिलेगी, फिर भी मैंने इस प्रारुप को बेहतर ढंग से समझने या इसके अनुसार अपने खेल में बदलाव लाने के अधिक प्रयास नहीं किए, और इसका सीधा असर मेरे प्रदर्शन पर दिखा। सूर्यकुमार के अंतरराष्ट्रीय करियर के आंकड़ों पर नज़र डालें तो, टी20 प्रारुप में उनकी बादशाहत साफ दिखती है। उन्होंने 113 टी20 मैचों में 3272 रन बनाए हैं, जिसमें उनके अंतरराष्ट्रीय करियर के सभी चार शतक शामिल हैं। इसके विपरीत, 37 एकदिवसय मैचों में उनके नाम 773 रन हैं, जिसमें उनका सर्वाधिक स्कोर 72 रन रहा। टेस्ट क्रिकेट में उनका एकमात्र अनुभव एक पारी का है, जहाँ वे सिर्फ 8 रन ही बना सके थे।

मिडफील्डर रोड्री को लेकर रियल मैड्रिड और मैनचेस्टर सिटी के बीच खींचतान जारी

मैड्रिड

यूरोपीय फुटबाल में आजकल स्पेन के दिग्गज मिडफील्डर रोड्री हर्नांडेज़ के ट्रांसफर को लेकर रियल मैड्रिड और मैनचेस्टर सिटी के बीच जोरदार खींचतान चल रही है। यह बहुचर्चित खिलाड़ी वर्तमान में ट्रांसफर बाजार में मुख्य आकर्षण का केंद्र बना हुआ है, क्योंकि रियल मैड्रिड उन्हें अपनी टीम में शामिल करने के लिए सक्रिय रूप से प्रयास कर रहा है। हालांकि, इस सौदे में सबसे बड़ी बाधा मैनचेस्टर सिटी की उच्च मांग है, जो अपने इस स्टार खिलाड़ी को छोड़ने के लिए कम से कम 80 मिलियन यूरो की राशि की मांग कर रहा है। इसके विपरीत, रियल मैड्रिड ने अपनी अधिकतम पेशकश 60 मिलियन यूरो तक ही सीमित रखी है, जिससे दोनों क्लबों के बीच 20 मिलियन यूरो का बड़ा अंतर बना हुआ है।

मीडिया रिपोर्टों से मिली जानकारी के अनुसार, दोनों क्लबों के बीच अभी तक कोई अंतिम सहमति नहीं बन पाई है और यह गतिरोध

जारी है। इस हाई-प्रोफाइल ट्रांसफर को अंजाम तक पहुंचाने के लिए आने वाले कुछ सप्ताह बेहद महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं। फुटबाल विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह सौदा संभव होना है, तो दोनों पक्षों को एक बीच का रास्ता खोजना होगा, जिसमें उन्हें अपनी-अपनी शुरुआती मांगों से कुछ समझौता करना पड़ सकता है। यह स्पष्ट है कि इस बड़े खिलाड़ी को हासिल करने के लिए रियल मैड्रिड को अपनी पेशकश बढ़ानी होगी, वहीं मैनचेस्टर सिटी को भी अपनी मांग में थोड़ी नरमी दिखानी पड़ सकती है। गौरतलब है कि रोड्री हर्नांडेज़ को मौजूदा समय में दुनिया के सबसे भरोसेमंद और प्रभावशाली मिडफील्ड खिलाड़ियों में से एक माना जाता है। उन्होंने पिछले कई वर्षों से मैनचेस्टर सिटी के लिए बड़े-बड़े मुकाबलों में लगातार असाधारण प्रदर्शन किया है। उनकी सटीक पासिंग क्षमता, खेल की गति को अपनी इच्छानुसार नियंत्रित करने का हुनर और रक्षात्मक मोर्चे पर उनकी अभेद्य मजबूती उन्हें किसी भी टीम के लिए एक अमूल्य संपत्ति बनाती है। इन्हीं असाधारण खूबियों के चलते रियल मैड्रिड अपने मध्य क्षेत्र को और अधिक मजबूत व स्थिर बनाने के लिए लंबे समय से रोड्री पर अपनी नजरें जमाए हुए है। रोड्री का मौजूदा अनुबंध वर्ष 2027 की गर्मियों तक वैध है। इस अनुबंध की स्थिति रियल मैड्रिड को बातचीत में कुछ हद तक बढ़त दिला सकती है, क्योंकि यदि मैनचेस्टर सिटी समय रहते रोड्री के साथ एक नया और दीर्घकालिक अनुबंध हासिल नहीं कर पाता है, तो भविष्य में खिलाड़ी की बाजार कीमत पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। ऐसे में मैनचेस्टर सिटी के सामने यह एक महत्वपूर्ण रणनीतिक फैसला होगा कि वह अभी एक बड़े ट्रांसफर शुल्क पर विचार करे या खिलाड़ी को अपने साथ बनाए रखने का जोखिम उठाए, जिसके परिणामस्वरूप भविष्य में कम कीमत मिलने की संभावना हो सकती है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, रोड्री स्वयं भी व्यक्तिगत और पेशेवर फुटबाल से जुड़े कारणों से एक नई चुनौती स्वीकार करने के लिए तैयार दिख रहे हैं। इसी वजह से रियल मैड्रिड में उनके शामिल होने की संभावना को लेकर अटकलें लगातार तेज हो रही हैं।